COMPOSITE REGIONAL CENTRE FOR SKILL DEVELOPMENT, REHABILITATION & EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES [CRC – KOZHIKODE]
(UNDER THE ADMINISTRATIVE CONTROL OF NIEPMD, CHENNAI)
DEPARTMENT OF EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES (DIVYANGJAN)
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT, GOVERNMENT OF INDIA
IMHANS CAMPUS, MEDICAL COLLEGE PO KOZHIKODE KERALA 673008

Department of Speech & Hearing CRC Kozhikode

आओ श्रवण प्रशिक्षण के खेल खेले Awareness Part 2

सुनने के लिए उचित माहौल/ वातावरण

- श्रवण बाधित बच्चे की कान की मशीन या कोच्लेर इम्प्लांट (कर्णावत प्रत्यारोपण) माइक्रोफोन के करीब बोलो।
- हमेशा श्रवण बाधित बच्चे से मध्यम आवाज में बात करे आपके द्वरा जोर से बोलने पर आवाज की स्पष्ट बिगाड़ जाती है , बच्चे को समझने के लिए मुश्किल बना सकती हैं।
- श्रवण बाधित बच्चे से जल्दी जल्दी बात ना करे , बच्चे को सुन कर समझने का वक्त दे . आपके द्वरा थोड़ा धीमी गति से बोलने पर श्रवण बाधित बच्चे को सुन ने में मदतगार साबित होगी
- श्रवण बाधित बच्चे से बात चित करते समय वातावरण में मौजूद अन्य आवाजो और शोर को कम करे ;जैसे की विं डी ओ , एयर कंडीशनर , टीवी, रेडियो, आदि बंद कर देते हैं ..

अध्ययन, सह भाग और अभ्यास

- श्रवण विकलांगता कि जलद पहचान
- श्रवण विकलांगता प्रशिक्षण सतत चालू रहता है
- पालक और वाचा भाषा विशेषग्य सह भागी दारी
- सतत श्रवण जाच प्रमाण करना
- बच्चे की क्षमता के अनुसार ही श्रवण संबंधित लक्ष्य रखने
- बच्चे के लिये सून ना एक आनंद दायक और मजेदार क्रिया होनी चाहिये
- बच्चे के साथ बोली जाने वाली भाषा हमेशा साफ और शुध्य
- सून ना यह रोज की क्रिया मी समाविष्ठ करना

अध्ययन, सह भाग और अभ्यास

- श्रवण कौशल्य विकास करने
- माँ और बच्चे के नाते का उपयोग श्रवण विकलांगता प्रशिक्षण के लिये करना
- घर के बाहर की आवाजो के बारे मे भी सिखाना
- बच्चे के श्रवण विकास को किस त रह से मनपा जाता है सिखना
- शाबाशकी और दंड का उपयोग योग्य वर्तन व्यवस्थापित करणे हेतू करना

अगर आपके बच्चे में **श्रवण विकलांगता** लक्षण दिखाई दे तो आप तुरंत श्रवण विशेषज्ञ से मिल कर उचित जाच से मन के संकोच को दूर करे.

द्वारा तैयार: श्री शिवराज लालदास भीमटे सहेयक प्रोफेसर भाषण और श्रवण सीआरसी कोझिकोड